सत्यमेव जयते

राजीव गांधी
क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय

जहाँ है हरियाली ।
वहाँ है खुशहाली ॥

राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय

(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय)

ग्राम रामसिंहपुरा, पोस्ट शेरपुर, रणथम्भोर रोड,
सवाई माधोपुर – **322001**, राजस्थान

फोन : (07462) 223010, फैक्स :(07462) 223010

ईमेल : rgrmnhswmp@gmail.com

राप्राविस

प्रस्तावना

राजस्थान राज्य के रणथम्भोर में स्थित भारत की महत्वपूर्ण बाघ परियोजना के लिए विख्यात सवाई माधोपुर, राजस्थान के इस ऐतिहासिक शहर में राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में आपका स्वागत है ।

यह संस्थान पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ कार्यालय, राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, नई दिल्ली का चौथा क्षेत्रीय कार्यालय है । इस संग्रहालय की संकल्पना आम जनता और विशेष रूप से बच्चों/छात्रों के लिए संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करने के साथ–साथ देश के पश्चिमी क्षेत्र की प्राकृतिक विरासत, पेड़–पोधौं और जीव–जंतुओं की विशेषताओं को उजागर करने के लिए की गई है ।

यह उपयुक्त है कि सवाई माधोपुर में क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय का नाम श्री राजीव गांधी के नाम पर रखा गया है, जो वर्ष 1984–1989 तक की अवधि के दौरान भारत के प्रधानमंत्री थे। पर्यावरण के विषय को उच्चतर स्तर पर लाने में उनका विशेष योगदान रहा है, और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 1985 में पर्यावरण विभाग का दर्जा बढ़ाकर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय बनाया था ।

श्री राजीव गांधी ने पर्यावरण और सवाई माधोपुर में व्यक्तिगत रुचि दिखाई थी क्योंकि वे रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान में नियमित रूप से आते थे जिसका मुख्य उद्देश्य बाघों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना था । वास्तव में रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान के प्रति उनका यह आकर्षण विश्व के पर्यटकों के लिए इस उद्यान में ईको पर्यटन विकसित करने में मददगार रहा है।

पृष्ठभूमि

प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय की स्थापना का विचार अप्रैल 1972 में भारत की स्वतत्रंता की रजत जयंती के उपलक्ष्य में नई परियोजनाओं के विचार हेतु वित्त मंत्री की अध्यक्षता में गठित मंत्रियों की समिति ने प्रस्तुत किया, जिसे हमारी तत्कालीन पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी ने अनुमोदित किया । राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय 5 जून 1978 को आम जनता के लिए खोल दिया गया था।

विगत वर्षों के दौरान पर्यावरणीय शिक्षा से जुड़े राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय ने राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थान के रूप में देश में सेवाएं प्रदान की हैं । तथापि, यह महसूस किया गया कि नई दिल्ली स्थित केवल एकमात्र संस्थान इस विशाल देश की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकता । अतः राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय की भौगोलिक समावेशिता का विस्तार करने के लिए कुछेक क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की योजना बनाई गई । तद्नुसार मैसूर (दक्षिण क्षेत्र), भोपाल (मध्य क्षेत्र) और भुवनेश्वर (पूर्वी क्षेत्र) में क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय स्थापित किए गए । सवाई माधोपुर स्थित राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय इसी श्रेणी में चौथा क्षेत्रीय केन्द्र है जिसे पश्चिम क्षेत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु स्थापित किया जा रहा है ।

संग्रहालय के भवन का निर्माण राजस्थान सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गई भूमि पर किया गया है। संग्रहालय निम्न सांस्कृतिक स्थल केन्द्रों के सन्निकट है :–

- ✶ शिल्पग्राम : यह सांस्कृतिक संपदा केन्द्र स्थानीय क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा स्थापित किया जा रहा है
- ✶ रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान : यह संरक्षित उद्यान भारतीय बाघ संरक्षण के लिए प्रसिद्व है ।
- ✶ रणथम्भौर किला : यूनेस्को द्वारा इसे हाल ही में एक विश्व स्तरीय विरासत स्थल घोषित किया है

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय (आर जी आर एम एन एच) तथा सुप्रसिद्ध रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान अन्य सांस्कृतिक केन्द्रों के साथ संयुक्त रूप से सवाई माधोपुर क्षेत्र में पर्यटन आकर्षित करने के अनन्य बिन्दु होंगे ।

संग्रहालय भवन का विहंगम दृश्य

उद्देश्य

संग्रहालय के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :–

1. सामान्य रूप से पश्चिमी क्षेत्र में, विशेषकर राजस्थान में राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय (एनएमएनएच) के माध्यम से पर्यावरण सूचना , शिक्षा और जागरूकता (ईआईईए) योजना तथा जैव विविधता जैसी संबंधित योजनाओं के अंतर्गत केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की नीतियों को कार्यान्वित करना,
2. संचार, शिक्षा और जन–जागरूकता के द्वारा पर्यावरण, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संपदा के संबंध में भारत के पश्चिमी भाग में वैज्ञानिक मनः स्थिती विकसित करना ,
3. क्षेत्र में पर्यावरणीय जागरूकता सृजित करने हेतु सामान्य रूप से जनता के लिए और विशेषरूप से बच्चों के लिए उपयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम विकसित करना,
4. पर्यावरणीय शिक्षा के लिए उपयोगी व लोकप्रिय शैक्षिक सामग्री प्रकाशित करना ,
5. क्षेत्र की वनस्पति और जीव–जन्तुओं तथा भू–विज्ञान को चित्रित करते हुए प्रदर्शनियाँ लगाना, और
6. सवाई माधोपुर में धरोहरी पर्यटन को बढ़वा देने में सहायता करना ।

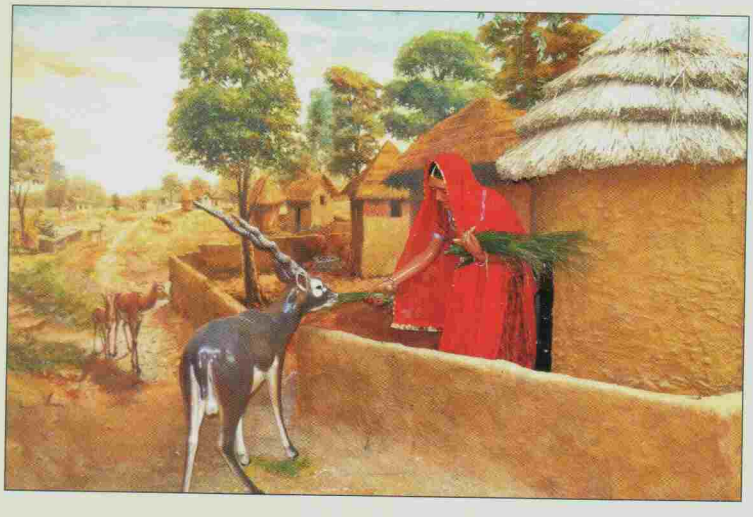

राजस्थान की 'जैव विविधता वीथिका'

राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के उद्घाटन के साथ ही इसे आम जनता के लिए खोल दिया गया है । आरम्भ में इसे राजस्थान की जैव विविधता से संबंधित एक वीथिका के साथ खोला जा रहा है । इस प्रदर्शनी में शेष भारत की तुलना में राजस्थान राज्य की वानस्पतिक और जैवविविधता को चित्रित किया गया है । वीथिका में प्रकृति तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए मानव द्वारा किए गए प्रयासों के साथ–साथ मानव अंतरापृष्ठ का विशेष उल्लेख करते हुए विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण त्रिविम चित्रावली के अतिरिक्त डिजिटल स्वरूप में तैयार पैनल, परस्पर क्रियात्मक प्रदर्श और वन्यजीवों का फोटोग्राफिक चित्रण प्रस्तुत करती हैं । वैज्ञानिक विषय–वस्तु को आम जनता को समझाने में श्रव्य– दृश्य प्रदर्श सहायता करते हैं ।

प्रस्तावित वीथिकाएं

निम्नलिखित वीथिकाओं को विकसित करने की योजना है :

वीथिका II : जैव मण्डल और पारितत्रं

वीथिका III : मरुस्थल

वीथिका IV : पारिस्थितिकी (प्रकृति का तानाबाना) और संरक्षण

वीथिका IV : जीवन की उत्पत्ति और विकास

अन्य संसाधन

उद्घाटन के पश्चात् निम्नलिखित संसाधनों को चरणबद्ध रूप से विकसित किया जाएगा :

सभागार

संग्रहालय में लगभग 300 व्यक्तियों की क्षमता वाला विशाल सभागार विकसित किया जाएगा जिसका उपयोग संग्रहालय में प्रतिदिन आयोजित होने वाले लोकप्रिय विषयों से संबंधित फिल्म प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सभागार का उपयोग अन्यत्र आयोजित होने वाले अन्य कार्यक्रमों जैसे संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों इत्यादि के अतिरिक्त अन्य संस्थाओं के द्वारा सवाई माधोपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों हेतु इसे संस्थागत सुविधा के तौर पर भी उपयोग किया जा सकता है ।

पुस्तकालय

संग्रहालय में एक छोटा पुस्तकालय होगा जिसको प्रकृति, प्राकृतिक संसाधनों, वन्य जीवों, पर्यावरण एवं संरक्षण विषयों पर लगभग 10,000 पुस्तकों को संग्रह करने हेतु विकसित किया गया है ।

खोजकक्ष

खोजकक्ष राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालयं में उपलब्ध खोजकेन्द्र का संशोधित स्वरूप है जो शोध उन्मुखी नवाचार संसाधन के रूप में उभरेगा । इस कक्ष में बच्चों के लिए नई खोज करने हेतु संसाधन उपलब्ध होगें जिससे वे जीवविज्ञान के क्षेत्र में अपने विभिन्न चेतना तंतुओं जैसे छूने, देखने, बोलने, सूंघने व स्वाद के द्वारा विभिन्न अवधारणाओं को समझ और महसूस कर सकेंगे ।

प्रकृति शिविर सुविधा

संग्रहालय के परिसर में आधुनिक संरचना से सुसज्जित छात्रावास उपलब्ध होगा जिसमें बाहरी स्थानों से प्रकृति शिविर हेतु पहुंचने वाले प्रतिभागियों को ठहरने आदि की सुविधा होगी ।

संग्रहालय समय:

राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के अंतर्गत कार्यरत सभी संग्रहालय आम जनता के लिए सोमवार व राष्ट्रीय अवकाश को छोड़कर प्रत्येक दिन प्रातः १०.०० से सांय ५.०० बजे तक खुले रहेगें।

राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय

(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय)

तानसेन मार्ग, नई दिल्ली - 110001

फोनः (011) 23314932; फैक्स : (011) 23319173

ईमेल : dirnmnh@gmail.com

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय :

1. **क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय**
   सिद्धार्थ नगर (पी ओ)
   मैसूर - 570011
   फोनः (0821) 2447046; फैक्स : (0821)2446453
   ईमेल : rmnhmysore@gmail.com

2. **क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय**
   ई 5, एपको कैम्पस, अरेरा कॉलोनी (पी ओ)
   भोपाल - 462016
   फोनः (0755) 2420429; फैक्सः (0755) 2467551
   ईमेलः rmnhbpl@rediffmail.com

3. **क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय**
   आर आर एल (पी ओ), आचार्य विहार
   भुवनेश्वर -751013
   फोनः (0674) 2567114; फैक्सः (0674) 2567784
   ईमेलः rmnhbbsr@yahoo.co.in

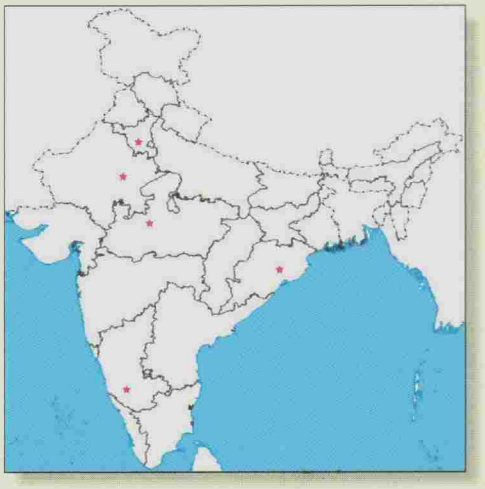

4. **राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय**
   ग्राम रामसिंहपुरा, पोस्ट शेरपुर, रणथम्भोर रोड,
   सवाई माधोपुर - 322001, राजस्थान
   फोन : (07462) 223010, फैक्स : (07462) 223010
   ईमेल : rgrmnhswmp@gmail.com

Compiled, Designed and Produced by the Publication Division of the NMNH on the occasion of the inauguration of RG RMNH, Sawai Madhopur, Rajasthan.